



WELCOME

रूपरेखा

प्रस्तावना

संस्कृति का अर्थ

संस्कृति की परिभाषा

परंपराएं.

मानदंड या प्रतिमान

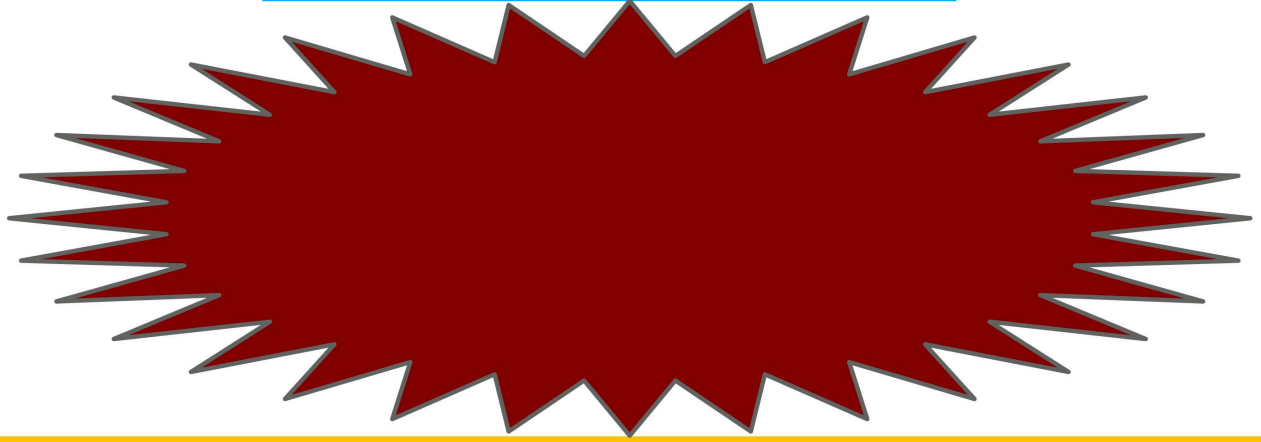
लोकरीतियां या लोक नियम

संस्कृति व रीति रिवाज

निष्कर्ष

संदर्भ ग्रंथ सूची

प्रस्तावना



संस्कृति मानव समाज की धरोहर है हर समाज की संस्कृति भिन्न-भिन्न होती है , बिना संस्कृति के हम किसी समाज की कल्पना नहीं कर सकते । संस्कृतियों द्वारा ही किसी भी समाज की परिपाटी को समझा जा सकता है । मानव समाज इसलिए मानव समाज है क्योंकि उसके पास संस्कृति है । संस्कृति के अभाव में मानव पशु तुल्य हो जाता है संस्कृति मानव की धरोहर है जिसकी सहायता से मानव पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ता रहता है और प्रगति की ओर उन्मुख होता है ।

संस्कृति का अर्थ

संस्कृति शब्द का प्रयोग अनेक अर्थों में किया जाता है संस्कृति शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है । संस्कृत व संस्कृति दोनों ही शब्द संस्कार से बना है संस्कार का अर्थ कुछ कृतियों की पूर्ति करना है । संस्कृति का अर्थ होता है विभिन्न संस्कारों द्वारा सामूहिक जीवन के उद्देश्यों की प्राप्ति परिमार्जन की एक प्रक्रिया है जो संस्कारों को संपन्न करके मानव को एक सामाजिक प्राणी बनाती है ।

अतः संस्कृति के विभिन्न अर्थ को जाने के बाद हम यह कह सकते हैं कि ,जब किसी समूह के ऐतिहासिक विकास में जीवनयापन के जो विशिष्ट स्वरूप विकसित हो जाते हैं उसे ही हम मुख्य तौर पर संस्कृति कहते हैं ।

संस्कृति की परिभाषाएं

मैकाइवर एवं पेज के अनुसार :-

" संस्कृति मूल्यों , शैलियों भावनात्मक अभियानों का संसार है । इसलिए संस्कृति सभ्यता का प्रतिवाद है । संस्कृति हमारे रहने व सोचने के ढंगों , कार्यकलापों , कला ,साहित्य , धर्म , मनोरंजन एवं आनंद में हमारी प्रकृति की अभिव्यक्ति है ।"

टायलर के अनुसार :-

" संस्कृति वह संपूर्ण जटिलता है जिससे ज्ञान ,विश्वास ,कला ,आचार ,व्यवहार ,कानून तथा अन्य क्षमताओं और आदतों का समावेश होता है । जिन्हें समाज का सदस्य होने के नाते प्राप्त करता है । "

परम्पराएँ (Tradition)

Tradition शब्द " Tradera " से बना है ,जिसका मतलब होता है हस्तांतरित करना । सामाजिक विरासत का भौतिक पक्ष ही परंपरा कहलाता है । संस्कृत शब्द " परंपरा " का " एतिह " अर्थात विरासत में मिला है ।

परिभाषाएं

रॉस के अनुसार :-

" परंपरा का अर्थ उन संपूर्ण विचारों , आदतों और प्रथाओं के प्रयोग से है जो एक समूह की विशेषता है तथा पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती रहती है ।"

जेम्स ड्रीवर के अनुसार :-

" परंपरा कानून , प्रथा , कहानी और कथाओं का वह संग्रह है जो मौखिक रूप से एक पीढ़ी द्वारा दूसरे पीढ़ी को हस्तांतरित किया जाता है । "

परंपरा की विशेषताएं

- 1 . परंपराएं काफी समय से निरंतर बनी रहती है ।
- 2 . परंपरा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होती है ।
- 3 . परंपराओं का पालन अचेतन रूप से बिना विचार किया जाता है ।
- 4 . परंपराओं में परिवर्तन धीमी गति से होता है ।
- 5 . परंपराओं को लिखित या मौखिक किसी भी प्रकार से हस्तांतरित किया जा सकता है ।
- 6 . परंपराएं कठोर होती है ।

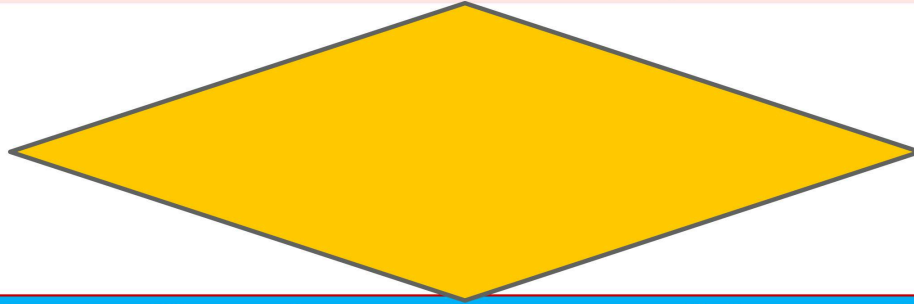
परंपरा का महत्व



परंपरा का महत्व निम्नलिखित है-

- 1 . परंपराएं सामाजिक जीवन को सरल बनाती है , व्यवहार का मार्गदर्शन करती है तथा समाजीकरण में सहयोग प्रदान करती है ।
2. परंपराएं सामाजिक जीवन को समरूप बनाती है ।
- 3 . व्यक्ति के व्यवहार का नियंत्रण परंपराओं द्वारा होता है ।
- 4 . परंपराएं सामाजिक सुरक्षा की भावना को बढ़ाती है ।
- 5 . परंपराओं में भूतकाल का अनुभव सम्मिलित होता है ।
- 6 . परंपराएं राष्ट्रीय भावना के विकास में सहायक होती है ।

मानदंड या प्रतिमान (Norms)



कई लोगों के अंतःक्रिया के फलस्वरूप मूल्यों के समूहों का विकास होते हैं , जो लोगों के संबंधों एवं आचार - विचार को नियमित करता है । समाजिक आदर्श , मानदंड या प्रतिमान कहलाता है ।

वीरस्टीड के अनुसार :-

" बिना प्रति मानव के सामाजिक जीवन असंभव होगा और समाज में कोई व्यवस्था नहीं रह पाएगी । "

किंग्सले डेविस के अनुसार :-

" आदर्श नियमों के अभाव में मानव समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती । "

सामाजिक प्रतिमान तथा मानदंड की विशेषताएं

- (A) सामाजिक प्रतिमानों का पालन बाह्य दबाव के कारण नहीं किया जाता है ।
- (B) सामाजिक प्रतिमानों के पालन की अपेक्षा समाज के सभी सदस्यों से की जाती है ।
- (C) सामाजिक प्रतिमानों में अनेक नियम उपनियम होते हैं ।
- (D) मानव समाज के प्रतिमान लाखों वर्ष पुराने हैं ।
- (E) यह समाज के मौलिक सामाजिक आवश्यकता की पूर्ति में सहायक है ।
- (F) सामाजिक प्रतिमान मानव का पथ प्रदर्शक करते हैं ।
- (G) सामाजिक प्रतिमान सापेक्ष होते हैं ।
- (H) सामाजिक प्रतिमान या मानदंड नैतिक कर्तव्य की भावना से संबंधित होते हैं ।

आदर्श प्रतिमानो का महत्व



1. आदर्श विहीन समाज एक संभावित है ।
2. आदर्श प्रतिमान समाज को सुदृढ़ता प्रदान करते हैं ।
3. आदर्श नियम या प्रतिमान मनुष्य की प्रवृत्ति को प्रभावित करते हैं।

लोकरीतियाँ / लोक नियम

इस शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 1906 में ग्राहम समन ने अपनी पुस्तक " फोकवेज " में किया । शाब्दिक दृष्टि से जनरीति दो शब्दों folk तथा ways से मिलकर बना है । जिसका अर्थ क्रमशः जन तथा रीतियाँ अर्थात् जनरीतियाँ है ।

परिभाषाएं

गिलीन तथा गिलीन के अनुसार :- " लोकरीतियाँ दैनिक जीवन के व्यवहार के आदर्श हैं जो अनियोजित अर्थात् बिना किसी तर्क - वितर्क के साधारणतःसमूह में अचेतन रूप से उत्पन्न हो जाते हैं । "

ग्रीन के अनुसार :- " जनरीतियाँ कार्य व्यवहार कि वे रीतियाँ है जो एक समान में समान रूप से पाई जाती है तथा एक पीढ़ी को हस्तांतरित की जाती है । "

संस्कृति व रीति रिवाज

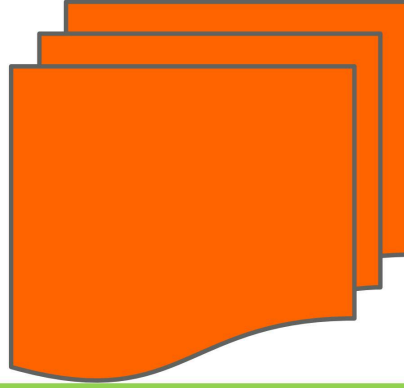
भारत के इतिहास को देखा जाए तो पता चलता है कि पुराने समय में भारत ताकत , धन , संस्कृति तथा रीति रिवाज में कितना महान था । परंतु उस समय उसमें गिरावट किस वजह से हुई ? जहां एक तरफ आपको अपने आदर्शों के बारे में जानना तथा स्वीकार करना चाहिए जिन्होंने हम लोगों को महान बनाया । वहीं दूसरी तरफ हमें उनकी वजह के बारे में मालूम करना चाहिए जिनकी वजह से इनमें गिरावट आई । आज हम सभी तथ्य को विज्ञान की कसौटी पर जांचते हैं और जो विज्ञान के द्वारा सही तरह से सिद्ध नहीं होते उसे अंधविश्वास कह कर स्वीकार नहीं करते हैं । परंतु अपने पहले की जिंदगी को पूरी तरह से उपेक्षा कर देना भी वैज्ञानिक दृष्टि नहीं है । हमें इसके बारे में भी कोशिश करनी चाहिए कि उसमें क्या बुराइयां थी और वह कौन सा सत्य था जिसने हमें हजारों सालों से एक राष्ट्र के रूप में जिंदा रखा हुआ है ।

जिस तरह से एक हिरण कस्तूरी के बारे में मालूम ना होने की वजह से उसकी खुशबू को ढूंढने के लिए इधर-उधर भागता फिरता है उसी तरह से हमें भी अपने धर्म ग्रंथों के ज्ञान की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए जो कि खुशी पाने का स्रोत माना जाता है ।

रीति रिवाज व परंपराओं का वैज्ञानिक महत्व

भारतीय संस्कृति में रीति रिवाज व परंपराओं का वैज्ञानिक महत्व है जैसे हमारे बुजुर्गों प्रातः उठकर अपने दोनों हाथों को देखते हैं उनमें ईश्वर का दर्शन करते हैं। धरती पर पैर रखने से पहले धरती मां को प्रणाम करते हैं, क्योंकि जो धरती मां धनधान्य से पूर्ण करती है हमारा पालन-पोषण करती है उसी पर हम अपना पैर रखते हैं इसलिए धरती पर पैर रखने से पहले प्रणाम कर उससे माफी मांगते हैं। हमारे यहां चारों धाम घूमने की परंपरा है इस परंपरा का पालन करने से हमें देश की भौगोलिक स्थिति का ज्ञान होता है और साथ में यह यात्राएं हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है क्योंकि इससे हमारा मन प्रसन्न रहता है। हमारे सभी रीति रिवाज और त्योहार हमारे संबंधों को मजबूत करते हैं जैसे :- रक्षाबंधन भाई बहन के प्रेम को बढ़ाता है करवा चौथ दांपत्य जीवन में मधुरता लाता है ऐसे ही छठ मां अपने बच्चे की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है हमारे वेद पुराणों में प्रकृति को माता और इसके हर रूप को देवी देवताओं का रूप दिया गया है। जैसे बरगद पीपल को देवताओं और तुलसी नदियों को देवी का रूप दिया है यह कोई विश्वास नहीं बल्कि इसके पीछे छिपा हुआ है हमारे पूर्वजों ने इसे देवी देवताओं का दर्जा इसलिए दिया क्योंकि कोई व्यक्ति किसी की पूजा करता है तो वह उसे कभी भी नुकसान नहीं पहुंचा सकता। घर में पूजा पाठ करते समय धूप, अगरबत्ती ज्योति जलाते हैं तथा शंख बजाते हैं सब के पीछे वैज्ञानिक तथ्य छुपा हुआ है ऐसा माना जाता है कि शंख बजाने से शंख ध्वनि जाती है कि वायु से जीवाणु नष्ट हो जाते हैं हमारी भारतीय संस्कृति में माता-पिता और गुरु कीपैड माता-पिता और बड़ों के अभिवादन करने से चार चीजें पड़ती है आयु विद्या यश और बल।

निष्कर्ष



उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट होता है कि संस्कृति समाज की धरोहर है जो किसी समाज व व्यक्ति को सुव्यवस्थित करती है। संस्कृति के अंतर्गत हम कला भाषा आचार - विचार, प्रथा रीति-रिवाज आदर्श परंपराएं विश्वास आदि से परिचित होती है। संस्कृति के दो विशिष्ट पहलू माने जाते हैं जो एक दूसरे से जुड़े हुए होते हैं एक और संस्कृति मनुष्य की क्षमता कुशलता जीवन की आदर्शों और प्रतिबंधों को बताती है तो दूसरी ओर वह मनुष्य की भौतिक उपलब्धियों को भी बताती है।

संदर्भ ग्रंथ सूची



लेखक का नाम	-	पुस्तक का नाम
जी. के. अग्रवाल	-	ग्रामीण समाजशास्त्र
रविंद्र नाथ मुखर्जी	-	भारतीय समाज व संस्कृति
श्री भरत अग्रवाल	-	यूनिफाइड समाजशास्त्र

A scenic landscape featuring a calm lake in the foreground, a dense forest of evergreen trees in the middle ground, and a bright, circular, ethereal light source in the sky. Several birds are flying in the sky. A wooden dock extends from the bottom right corner into the water. The overall color palette is dominated by blues, greens, and yellows.

Thank You